

## विचार बिन्दु

जो दूसरों पर उपकार जताने का इच्छुक है वह द्वार खटखटाता है। जिसके हृदय में प्रेम है उसके लिए द्वार खुले हैं। -टैगोर

## एक बार इस्तेमाल प्लास्टिक पर प्रतिबंध: कैसे सफल हो?

एक बार इस्तेमाल प्लास्टिक (यथा सिंगल यूज प्लास्टिक) का पुनः इस्तेमाल करने पर 21 आइएमएस पर 1 जुलाई, 2022 से केन्द्र सरकार द्वारा पूर्णतया प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण एक्ट के तहत बने वेस्ट (मैनेजमेंट एंड हेन्डलिंग) नियम 2016 के अन्तर्गत 12 अगस्त 2021 को प्रकाशित विज्ञापित द्वारा यह प्रतिबन्ध लगाया गया। खेद का विषय है कि इस विज्ञापित की जानकारी या चर्चा टी.वी. चैनलस या समाचार पत्रों में जून के अन्त तक नहीं की गई।

राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार के निर्देशों के अनुसरण में 20 जून 2022 को एक आदेश प्रसारित करके एकल उपयोग वाली 21 आइएमएस पर 1 जुलाई 2022 से बैन लगाया है, जिसमें कान के लिए प्लास्टिक इयर बड्स, बैलुन्स स्टिक, कप गिलास, कटलरी कांटे चम्मच, चाकू, स्ट्रू ट्रे, पैकिंग स्वीट बाक्स, निमन्त्रण कार्ड, सिगरेट पैकेट, बैनर्स एवं बैनर्स (100 माइक्रोन से कम) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त राजकीय समस्त कार्यालयों में हर प्रकार के प्लास्टिक बैग्स सहित सभी उपरोक्त आइएमएस को लाना-प्रयोग करना निषिद्ध कर दिया गया है। साथ ही विकल्प के रूप में बायोडिग्रेडेबल यथा मिट्टी में स्वतः नष्ट होने वाले उत्पादों के इस्तेमाल पर बल दिया गया है।

नागरिक जागरूकता एवं जनस्मृति को पुनः याद दिलाने हेतु लेखक का 13 जनवरी 2022 को राष्ट्रदूत में 'भारत सरकार की प्लास्टिक कचरा प्रबन्धन योजना की कमियाँ एवं कर्मजोरियों शीर्षक का आलेख प्रकाशित हुआ था। इसमें सिंगल यूज प्लास्टिक पर 1 जुलाई 22 से पूर्णतया प्रतिबन्ध लगाने का जिम्मा प्रथम पत्र में किया गया था। चर्चा एवं प्रचार-प्रसार के अभाव के चलते अब आनन फानन में राज्य सरकार ने एक राज्य स्तरीय टास्क फोर्स मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित कर दिया है जिसकी बैठक में मुख्य सचिव ने सम्बन्धित विभागों एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मध्य समन्वय एवं सहयोग पर बल दिया और जन-जागरूकता हेतु अभियान चलाने के निर्देश दिये।

नागरिक जागरूकता अभियान की जगह जयपुर ग्रेटर निगम ने विभिन्न बाजारों एवं मंडियों में सैकड़ों की संख्या में स्टॉक रखने एवं अन्य पाये गये उल्लंघनों के चालान काट दिये जैसा कि दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट में प्रकाशित किया गया (2 जून 22)।

भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय के प्रतिबन्ध में प्लास्टिक की मिनरल या अन्य पानी पीने की बोतलें शामिल नहीं हैं यद्यपि जमानास में इनके द्वारा प्रदूषण फैलाने की पूर्ण सम्भावना पाई जाती है। 120 माइक्रोन्स से कम वाले कैंरी बैग्स सहित समस्त 21 उत्पादों-आइएमएस के उत्पादन, स्टॉक रखने और वितरण करने वालों को, पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत प्रतिबन्ध के उल्लंघन के लिए पाँच वर्ष की सजा एवं एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है और दुबारा उल्लंघन करने पर 5000 प्रतिदिन की पेनल्टी लगाई जा सकेगी। उल्लंघन के लिए कम्पनियों, संगठनों एवं राजकीय विभागों के लिए अलग पेनल्टी का प्रावधान है।

इस संदर्भ में ऑल इन्डिया प्लास्टिक कन्स्यूमर्स एसोशियन ने अतिशीघ्रता से लगाये प्रतिबन्ध के कारण 88,000 इकाइयों में कार्यरत लगभग 10 लाख कर्मचारियों को रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न होना व्यक्त किया है। प्रमुख उत्पादकों ने यह भी स्पष्ट किया है कि 25000 करोड़ के निर्यात का कार्य प्लास्टिक उद्योग द्वारा किया जाता है जिस पर विपरीत असर पड़ेगा। दूसरी ओर, विकल्प में

120 माइक्रोन्स से कम वाले कैंरी बैग्स सहित समस्त 21 उत्पादों-आइएमएस के उत्पादन, स्टॉक रखने और वितरण करने वालों को, पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत प्रतिबन्ध के उल्लंघन के लिए पाँच वर्ष की सजा एवं एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है और दुबारा उल्लंघन करने पर 5000 प्रतिदिन की पेनल्टी लगाई जा सकेगी।

उपलब्ध या सम्भावित बायोडिग्रेडेबल उत्पादों से एफ.एम.सी.जी. (फास्ट मूविंग कन्स्यूमर गुड्स) की लागत और कीमत में अवांछनीय वृद्धि होगी। ऐसे बायोडिग्रेडेबल या अन्य विकल्प के उत्पादों की उत्पादन क्षमता बहुत सीमित है- इस संदर्भ में प्लास्टिक उत्पादकों ने 6 माह की अवधि के लिए प्रतिबन्ध को स्थगित करने की माँग की है और क्षतिपूर्ति की माँग भी की है।

सरकार फिलहाल प्रतिबन्ध वापस नहीं लेने पर अडिग है। केन्द्रीय मंत्री, पर्यावरण ने स्पष्ट किया है कि प्लास्टिक उद्योग से जुड़े विभिन्न हितधारकों से लगातार वर्ष 2018 से परामर्श किया जा रहा है एवं प्रतिबन्ध लागू होने से एक

प्लास्टिक से, वर्तमान में एक ऑकलन के अनुसार, प्रति वर्ष भारत में 3 किलो प्रति व्यक्ति कचरा एकत्र होता है और 2050 तक इसके छ गुना होने की सम्भावना है। प्रति वर्ष विश्व में 300 मिलियन टन कचरा इकट्ठा होने का आँकलन किया गया है। विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि प्लास्टिक 400 वर्षों तक नष्ट नहीं होता है। इससे जमीन में, नदियों में पानी भी प्रदूषित होता है और वहाँ से यह समुद्र में जा पहुँचता है।

उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट है कि विश्व को प्लास्टिक उपयोग का शीघ्र से शीघ्र विकल्प विकसित कर बड़े पैमाने पर उत्पादित कर अपनाने होंगे। भारत में नये विकल्प तेजी से खोजे जा रहे हैं किन्तु उनके बड़े पैमाने में उत्पादन में समय लगेगा। मिट्टी प्रचुरता में उपलब्ध है और मिट्टी के उपयोगी आइएमएस बनने लगे हैं इसी प्रकार ज्वार के प्याले, चम्मच, प्लेट खाद्य पदार्थ में परिवर्तित होकर खाये जा सकते हैं। बांस की कटलरी का उपयोग शुरू हो चुका है किन्तु जंगलों में इसके उपलब्ध होने और उपयोगी सामान बनाने में कई अड़चनें उत्पन्न होंगी। जाहिर है इन्हें दूर करना होगा।

प्लास्टिक कचरे का उपयोग कुछ सीमा तक सड़क बनाने में होने लगा है। दूसरी ओर प्लास्टिक मिला कर निर्माण की इंटों का उत्पाद भी शुरू हो गया है।

डी.डी.न्यूज जज्जा इन्डिया की एक खबर है कि पोर्ट ब्लेयर (अन्डमान्स निकोबार द्वीप समूह की राजधानी) में डिप्टी मेयर ने वेस्ट टू-व्हाइर पार्क बना कर प्लास्टिक कचरे से मूर्तियाँ एवं अनेक संरचना को आकार दिया है। दूसरी ओर, तमिलनाडु विरुद नगर में लोगों को प्रोत्साहित करके एकत्र कचरे का एक कचरा बैंक बना कर प्लास्टिक कचरे का वर्गीकरण कर छँटाई करके रिसाइकिल द्वारा नये उत्पाद तैयार किये हैं। कचरा बैंक और रिसाइकिलिंग कार्य में 600 परिवारों को रोजगार मिला है।

प्रश्न यह है कि आम नागरिक क्या कर सकता है? सर्वप्रथम, प्लास्टिक उपयोग काल से पूर्व उपयोग वाले आम नागरिक द्वारा घर पर या दर्जी के सिले थैलों का उपयोग शुरू करना होगा एवं जरूरत के हिसाब से एक नहीं अनेक थैलों का प्रयोग करके अलग-अलग सामान खरीदना चाहिये। आस-पड़ोस एवं रिश्तेदारों को भी प्रोत्साहित करना होगा। घर में पड़े कचरे को कचरा गाड़ी को सुपुर्द करना होगा।

दूसरे, स्वीच्छक एवं अन्य संगठनों के माध्यम से मिट्टी, बांस एवं विकल्प के अन्य उत्पादों को बनाने और मार्केटिंग के लिये सभी हितकारकों को पहल करनी होगी। उत्पाद के पेटेंट एवं सामग्री की उपलब्धता को स्थानीय टी.वी. चैनलस एवं अखबारों पर प्रसारित करना होगा।

स्थानीय निकाय म्युनिसिपल बोर्ड निगम आदि केवल चालान न काटें वरन जागरूकता अभियान चलायें एवं सामुदायिक केन्द्रीय एवं रिहाइशी कॉलोनिजों के रहवासियों के संगठनों का इस हेतु सहयोग प्राल करना चाहिये।

राज्य सरकार को केन्द्र सरकार के भरोसे न रह कर विकल्प के उत्पादों को बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए प्रोत्साहित योजना तैयार करनी होगी। एकल उपयोग प्लास्टिक पर बैन एक राष्ट्रीय आवश्यकता है, इसे सफल बनाना ही होगा। देखें आप क्या कर सकते हैं और करेंगे?

### राशिफल

शनिवार 9 जुलाई, 2022

आषाढ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2079, स्वाती नक्षत्र दिन 11:25 तक, सिद्ध योग प्रातः 6:48 तक, गर करण सांय 6:40 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:25 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

प्राद स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मेघ, बुध-मिथुन, गुरु-मीन,

शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:25 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज नवमी भद्रा रात्रि 3:27 से रविवार दिन 2:14 तक रहेगी। आज आशा दशमी व्रत है और गुप्त नवरात्रा पूर्ण और नवरात्रोत्सव, मन्वादि, गिरिजा पूजा दशमी में।

श्रेष्ठ चौघडिया: शुभ 7:26 से 9:08 तक, चर 12:32 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:38 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:20

स्त्री रोग विभाग का आउटडोरा बाहर एक मेज पर हाउस सर्जन बैठी है, अंदर चेम्बर में चीफ सर्जना एक महिला आती है - बाँब कट बाल, टॉप और जींस पहने, ठसके से चलते हुए हाउस सर्जन की मेज पर फाइल रख बिना किसी भूमिका के कहती है - अबोर्सन करवाना है। हाउस सर्जन फाइल देख पृष्ठती है - आपने पति का नाम नहीं लिखा? अबोर्सन मुझे करवाना है, पति को नहीं - पलट कर जवाब। हाउस सर्जन पीरियडस के बारे में पूछ कर लिखती है, फिर - अबोर्सन क्यों करवाना चाहती है? का जवाब - बच्चा नहीं चाहती इसलिए और क्यों? नहीं चाहती तो गर्भ धारण ही क्यों किया था? कौनसा चाह कर किया था, यह तो हो गया। फिर थोड़ा झुझलाते हुए बोली- आप मुझे चीफ सर्जन के पास ले चलेंगी, मैं उन्हीं के लिए आई हूँ।

महिला, चीफ को बताती है कि वह एक काल सेंटर में एकजीव्यूटिव है, विवाह नहीं किया है, अपनी पसंद के लडके के साथ रह रही हैं। चूक से गर्भ टहर गया है, अबोर्सन करवाना है। फाइल देख चीफ पृष्ठती हैं - चूक हो गई तो अभी तक क्या कर रही थी? बीस सप्ताह हो गए जी, काम ही ऐसा है, समय ही नहीं मिला। अभी भी दिक्कत है, अगर शनिवार को अबोर्सन कर दें

एक काल सेंटर में एकजीव्यूटिव है, विवाह नहीं किया है, अपनी पसंद के लडके के साथ रह रही हैं। चूक से गर्भ टहर गया है, अबोर्सन करवाना है। फाइल देख चीफ पृष्ठती हैं - चूक हो गई तो अभी तक क्या कर रही थी? बीस सप्ताह हो गए जी, काम ही ऐसा है, समय ही नहीं मिला। अभी भी दिक्कत है, अगर शनिवार को अबोर्सन कर दें

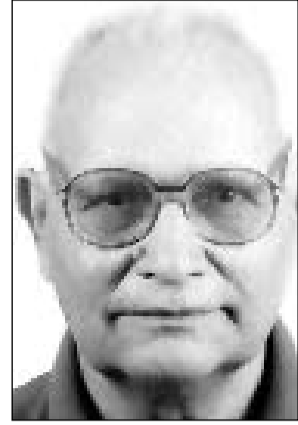
मुस्लिम सेवा संस्थान ने दो बहनों की शादी कर किया विदा चूक, (कास)। ऑल युवा मुस्लिम समाज सेवा संस्थान ने ग्राम घाघू में शुक्रवार को एक अनूठी मिशाल पेश करते हुये दो सगी बहनों को डोली में बैठाकर विदा किया। गौरतलब है कि निकटवर्ती ग्राम घाघू की प्रियंका के पिता प्रहलाद कुमार व माता बिन्दु कुमारी का कुछ वर्ष पहले किसी दुर्घटना में निधन हो गया था। दोनों बहनों के परिवार वालों की हालत नाजुक थी। समाज के लोगों ने ऑल युवा मुस्लिम समाज सेवा संस्थान के जिलाध्यक्ष संजय खान घाघू को इस बात से अवगत कराया। जिस पर संजय खान ने अपने सभी पदाधिकारियों से वार्ता कर त्वरित निर्णय लेते हुये इन जरूरतमन्द बेटियों को शादी करने की जिम्मेदारी ली।

उन्होंने बेटियों के परिजनों से कहा कि शादी का सम्पूर्ण सामान व परिवार एवं आगुत्तकों के भोजन, पानी और टेण्ट व स्वागत आदि सम्पूर्ण व्यवस्था संस्थान करेगी। इस पर संस्थान के पदाधिकारियों ने बड़े ही धूमधाम से बेटियों को विदा किया। संस्थान के जिलाध्यक्ष संजय खान ने अपने सभी भाभाभाशहों को इस जरूरत मन्द परिवार को मदद कर इस नेक कार्य में हिस्सा लेने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता ने कस्बे के पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया झुंझुनू, (निर्स)। झुंझुनू ही नहीं, बल्कि शेखावाटी और राजस्थान में पर्यटन नगरी के रूप में पहचान बनाने वाले मंडावा कस्बे के अब जल्द ही अच्छे दिन आने वाले हैं। जिसको लेकर राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता शेरसिंह शेखावत मंडावा दौर पर रहे। शेखावत ने आर्किटेक्चर टीम के साथ कस्बे के मुख्य पर्यटन स्थल स्नेहराम लडिया हवेली, अलखिया जोगड, सौथलिया दवाजा सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। जहाँ पर पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर विकास कार्य होने हैं। सहायक अभियंता शेखावत ने ऐसे स्थानों का

मौका मुआयना कर चिन्हित स्थानों नाप आदि लेकर नक्शा रिपोर्ट तैयार की तथा किस तरह से कैसे कहां पर कौन से काम होना हैं के विस्तार से जानकारी ली। पर्यटन शहर मंडावा में सौर्यकरण एवं सैलानियों की सुविधाओं को लेकर हेरिटेज वॉक वे में बिजली लाइनों का भूमिगत करना, सैलानियों के लिए गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य, हेरिटेज वॉक वे में एक उद्यान रूपी विराम स्थल, वाटर कूलर, हेरिटेज वाक वे में हेरिटेज स्ट्रीट लाइट्स, पार्किंग स्थल एवं जन सुविधाओं का जीर्णोद्धार कार्य, उचित स्थानों पर साइन बोर्ड्स की स्थापना, मुकुंदगढ रोड पर स्थित अलखियां

## अब और नहीं



डॉ. श्रीगोपाल काबारा

तो अब गर्भपात कर ही नहीं पायेगी। कुछ सोच कर कहती है यह वीडियो उस महिला को भी दिखाया, कह रही थी यह उसका पहला अबोर्सन नहीं है, वह सब जानती है।

### जो मैं पहले जानती

हाउस सर्जन ने पूछा कि कल जिसका एम टी पी किया था वह ठीक है क्या उसको डिस्चार्ज कर दें तो चीफ मैडम ने कहा, कर दो लेकिन जाने से पहले उसे उसकी वीडियो दिखा देना।

## पर्यटन नगरी मंडावा के जल्द आएं अच्चे दिन



राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता ने कस्बे के पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया

मंडावा के ऐतिहासिक स्थलों का विकास होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

जोगड का विकास कार्य, हेरिटेज वाक वे के मार्ग की मरम्मत करने का कार्य, फतेहपुर रोड पर स्थित सौर्यजनिक कुंड का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य, लडिया कुए का जीर्णोद्धार कार्य, सौथलिया गेट का जीर्णोद्धार कार्य, टीबडेवाला श्री बालाजी धाम में विभिन्न पर्यटन विकास कार्य लगायत 3 करोड़ रुपए के बजट से कराए जाएंगे।

## खैरवाड़ा-सागवाड़ा मार्ग पर बन रहा पुल एक साल में ही क्षतिग्रस्त



खैरवाड़ा-झूंगरपुर मार्ग पर बारो का शेर के निकट क्षतिग्रस्त निर्माणाधीन पुल की दीवारें।

खैरवाड़ा से झूंगरपुर के बीच बारो का शेर के पास बने पुल के दीवार में अभी से दरारें पड़ गई हैं। जब कि वर्तमान में सारे आवागमन के वाहन बाईपास रोड से जा रहे हैं। ऐसे में यदि बनने के साथ ही पुल क्षतिग्रस्त हो रहे है तो निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री घटिया प्रयोग में लाई जा रही है जब कि इस कार्य के

लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारी समय समय पर इन कार्यों का निरीक्षण भी कर रहे हैं। ऐसे में इन पुलों का बनने से पहले ही क्षतिग्रस्त होना विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली को भी संदेह के घेरे में ला रहा है। वहीं इस कार्य को कराने वाली कार्यकारी एजेन्सी भी विभागीय नियमों

की पूरी तरह अनदेखी कर रही है। खैरवाड़ा, झूंगरपुर व सागवाड़ा मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में इस सड़क की गुणवत्ता यदि निर्धारित मानकों पर नहीं होगी तो आमजन के साथ भी खिलवाड़ होगा। यह सड़क पूरी तरह से जनवरी 2024 में बनकर आम जन के लिए समर्पित

करनी है लेकिन जिस गति से यह कार्य चल रहा उसके पूर्ण होने की अवधि में पूरा होने पर भी सवालिण्या निम्न खडा कर रहा है। साथ ही इस मार्ग की समस्त गार्टी की अवधि भी 5 वर्ष है। ऐसे में पुलियों के अभी से क्षतिग्रस्त होना पूरे कार्य की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

डूंगरपुर, (निर्स)। केन्द्रीय प्राधीकरण के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा खैरवाड़ा से सागवाड़ा तक डेड सौ करोड़ की लागत से सड़क निर्माण का कार्य पिछले लगभग एक साल से प्रारंभ हुआ है जिसके तहत अभी तक इस पूरे मार्ग में आने वाले नये व पुराने पुलों का नवीनीकरण तथा सड़क की चौड़ाई के कार्य अभी तक भी पूरे नहीं हुए हैं और खैरवाड़ा से झूंगरपुर के बीच चल रहे सड़क के कार्य में पुल अभी से क्षतिग्रस्त होने लग गये हैं। हालात विभागीय अधिकारियों की लापरवाही व निर्माण कार्य में लगी एजेन्सी के मन्मानी की ओर इशारा कर रहे हैं। इस पूरी सड़क के निर्माण के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन द्वारा डेड सौ करोड़ की लागत से बनाने का कार्यदिश व वित्तीय स्वीकृति जनवरी 2022 में जारी की गई है। इसके तहत कार्यकारी एजेन्सी द्वारा पहले चरण में बीते सात माहों में केवल पुलियाओं के निर्माण भी पूरी तरह नहीं कर पाई है और अभी से पुल क्षतिग्रस्त होने लग गये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों उचित सफलता मिलेगी और आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगे। अटका धन प्राप्त होगा।

धनु आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनने। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक के हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन चन्द्रमा अग्रम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विचरना हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

न्यायालय ने महिला का चरित्र संदेह जनक मानते हुए भरण पोषण दिलवाने से किया इंकार

सादुलपुर, (निर्स)। स्थानीय ग्राम न्यायालय ने एक महिला द्वारा अपने पति पर देहेज प्रताड़ना का आरोप लगाकर भरण पोषण की मांग करने पर महिला की याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही ग्राम न्यायालय ने उसे भरण पोषण दिलवाने से भी इंकार कर दिया है। प्रकरण अनुसार राजगड तहसील के गांव थिरपाली बड़ी निवासी एक महिला द्वारा चिडावा निवासी अपने पति नरेश कुमार के खिलाफ घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए महिला संरक्षण अधिनियम के तहत स्थानीय न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की थी। याचिका के अनुसार महिला का वर्ष 2007 में चिडावा निवासी नरेश कुमार से विवाह संपन्न हुआ था। महिला का आरोप है कि विवाह के बाद उसके पति द्वारा देहेज के लिए उसे तंग परेशान किया जाता रहा है तथा महिला ने अपने पति के खिलाफ देहेज में मोटर साइकिल तथा 51 हजार रुपए की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर घर से निकाल देने का आरोप लगाया था। उसी मामले में महिला द्वारा न्यायालय राजगड में वाद प्रस्तुत करते हुए भरण पोषण की राशि दिलवाए जाने की मांग की गई। जिस प्रकरण में महिला के पति द्वारा न्यायालय के समक्ष जवाब प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि वह खुद पीड़ित है। नरेश कुमार ने न्यायालय के समक्ष प्रमाण प्रस्तुत किए गये, जिसमें बताया कि उसकी पत्नी का चरित्र सही नहीं है।

कल इस लेख में तकनीकी खराबी से 'जो मैं पहले जानती' भाग रह गया था। अतः आज पूरा लेख पुनः प्रकाशित किया जा रहा है। ताकि पाठकों को इसकी महत्ता पूर्णतः समझ आये।

कनवी के लेकिन जिस गति से यह कार्य चल रहा उसके पूर्ण होने की अवधि में पूरा होने पर भी सवालिण्या निम्न खडा कर रहा है। साथ ही इस मार्ग की समस्त गार्टी की अवधि भी 5 वर्ष है। ऐसे में पुलियों के अभी से क्षतिग्रस्त होना पूरे कार्य की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

डेड सौ करोड़ की लागत से हो रहा सड़क व पुल निर्माण का कार्य पुल निर्माण में हो रहा घटिया सामग्री का प्रयोग केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारी समय-समय पर कर रहे कार्यों का निरीक्षण

कनवी है लेकिन जिस गति से यह कार्य चल रहा उसके पूर्ण होने की अवधि में पूरा होने पर भी सवालिण्या निम्न खडा कर रहा है। साथ ही इस मार्ग की समस्त गार्टी की अवधि भी 5 वर्ष है। ऐसे में पुलियों के अभी से क्षतिग्रस्त होना पूरे कार्य की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

कनवी है लेकिन जिस गति से यह कार्य चल रहा उसके पूर्ण होने की अवधि में पूरा होने पर भी सवालिण्या निम्न खडा कर रहा है। साथ ही इस मार्ग की समस्त गार्टी की अवधि भी 5 वर्ष है। ऐसे में पुलियों के अभी से क्षतिग्रस्त होना पूरे कार्य की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।